प्रभात

छिपाएंगे नहीं, छापेंगे

facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv

www.subhartimedia.com | लखनऊ, शुक्रवार, 27 मार्च 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 08 | उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित

31 मार्च से एसबीआई में लॉकर के लिए चुकाना होगा 33 फीसदी तक ज्यादा शुल्क –10

प्रभात | उत्तर प्रदेश | शुक्रवार लखनऊ, 27 मार्च 2020 | 2

कोरोना रोकने में 21 दिन का लॉकडाउन कहां तक कारगर!

लखनऊ-प्रभात

पूरा विश्व कोराना संक्रमण की महामारी से इस समय जूझ रहा है, यद्यपि विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी देश भी अभी कोई वैकसीन नही बना पाये हैं। चीन के वुहान शहर में दिसंबर 2019 के मध्य से शुरू हुआ कोरोना वायरस अब तक 170 से ज्यादा देशों में कोराना संक्रमण की संख्या 475879 पहुंच गई है, जिनमें मुख्यतः थाईलैंड ईरान इटली स्पेन जापान सिंगापुर दक्षिण कोरिया ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात आदि शामिल हैं। इसके संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ रही है और वर्तमान में 26 मार्च तक 21,367 हो गई हैए जबकि 22 मार्च तक यह संख्या 11,401 थी। सबसे अधिक मौते 25 मार्च तक इटली में 7503, स्पेन में 3647, चीन में 3287, इरान में 2077, फ्रांस में 1331ए अमेरिका में 1036 तथा भारतवर्ष में 11 है। आजतक स्वस्थ हुये व्यक्तियों की संख्या 1,14.822 है। भारत की 26 मार्च 2020 साय 7:00 बजे की स्थिति : कुल संक्रमित 712 जिसमे 59 नये जुडेए मृत संख्या 14 और स्वस्थ हुये व्यक्तियो की संख्या 45।

विश्लेषण

प्रो.भरत राज सिंह

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने इसे महामारी घोषित कर दिया है और इससे बचने के लिये सात आसान स्टेप्स बताए हैं। जिनकी मदद से कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सकता है और खुद को भी इसके इंफेक्शन से बचाया जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए जारी दिशानिर्देश के मुताबिक- हाथों को साबुन से धोना चाहिए। अल्को हल आधारित हैंड रब का इस्ते माल भी किया जा सकता है। खांसते और छीकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिश्यू पेपर से ढककर रखें। जिन व्यऔक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें। कोल्ड और फ्लू के लक्षण मिलने पर जांच कराये। अंडे और मांस के सेवन से बचें। जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक तकनीकी, प्रो. भरत राज सिंह ने कहा कि दुनिया भर की सरकारें कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करने पर ध्यान दे रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है इस कोरोना संक्रमण को फैलने से रोककर ही इसे काबू में किया जा सकता है। इसके लक्षणों को पहचानकर ही कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर ही बेहतर तरीके से रोकथाम की जा सकती है। जब विश्व कोराना की वैश्विक महामारी से भीषण रूप से जूझ रहा हैए तब भारतवर्ष के प्रधान.मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने जनता कर्फूकी सफ्लता और जन.मानस के भागीदारी को देखते हुये 24 मार्च से 21.दिन के लिये देश के सभी प्रदेशो में लाकडाउन को, कर्फ्यू से अधिक मान्यता देते हुये पालन करने की जनता से अपील की है । निश्चित ही यह मानवता की सुरक्षा के लिये तथा आपके परिवार व परिजनो के जीवन की सुरक्षा के लिये वरदान साबित होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ;डब्लूएचओद्ध ने श्री नरेंद्र मोदी के इस कदम की सराहना की है । आइये इस उद्देश्य का पूर्ण समर्थ दे। आज जब सम्पूर्ण शिक्षण संस्थाओएं सरकारी–गैर.सरकारी संस्थाय कार्यालय तथा सभी यातायात सेवाये बंद कर दी गई है लोगों को घरों तक सीमित कर दिया गया हैएतो आवश्य वस्तुओ को मुहैया करानाए दैनिक कार्यरत मजदूरो के भरण पोषणए 21.दिन के लाकडाउन को पालन कराना सरकार के लिये एक बडी चुनौती है। छोटी सी चूक ने आज इटली स्पेन ईरान आदि को लाकद्डाउन की घोषणा में देरी से उन्हे कोराना संक्रमण की महामारी के काल ग्रसित कर लिया है और उन्हे संक्रमणग्रस्त व्यक्तियों के मृत्यु दर को नियंत्रित करना कठिन हो गया है। आज की इस विषम स्थिति भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण घोषणाये की है जिसमे मुख्यतः गरीबी रेखा से नीचे के परिवारो को 3.माह तक मुफ्त गैस सिलिडरए 35 किलो राशनए 2 रु प्रति किलोग्राम गेहू व 3रुण् प्रति किलोग्राम चावलए रु 15,000 प्रतिमाह से कम वेतनभोगी को 3.माह तक ईपीएफ का भुगतान (12) कर्मचारी व 12 (न्योक्ता का शैयर) सरकार द्वारा किये जाने एवं रु 15,000 प्रतिमाह से अधिक के वेतनभोगी कर्मियो को जमा ईपीएफ अथवा 3.माह के वेतन जोभी कम होगाए निकालने की सुविधा आदि प्रदान की गई हैए जो स्वागत योग्य है। ऐसे समय में कई स्वंयसेवी संस्थाये भी दिहाड़ी मजदूरोए रिक्सा चालको आदि के भरण.पोषण का जिम्मा उठा रखा है, यह देश प्रेम तथा मानवता के प्रति उनकी जिम्मेदारी दर्शाता है।

प्रो. सिंह ने कहा कि आज जब हमारा देश 130 करोड़ की आवादी का देश है तो ऐसीस विषम परिस्थितियों में कठिनाई भी उतनी बडी है। इस समय जिस महामारी के समय से हम गुजर रहे है सभी भारत के निवासियो का यह कर्तब्य व राष्ट्र धर्म है कि हम लाक–डाउन के नियमों का पालन करें और लोगो को इसके कठोर ढंग से पालन करने हेतु प्रेरित करे। चूंकि देश हमारा हैए देश पर विपत्ति के पल में भी मजबूती से खड़ा होना हमारा धर्म है। मानवता जिंदा रहेगी तो सृष्टि भी चलती रहेगी। अतः हमारा कर्तब्य है कि हम लाकद्डाउन के नियमों का पालन करते हुये अपने को सुरक्षित रखे और किसी को भी जनता में भ्रामक स्थिति फैलाने न दे। मेरे विचार से सम्पूर्ण देश में एक साथ लाकडाउन लाना एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है जिसका स्वागत सभी को करना चाहिये।